Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

अध्याय 8

स्थानीय शासन

- लोकतंत्र के लिए न केवल केन्द्रीय और राज्य स्तर पर बल्कि स्थानीय स्तर पर भी सत्ता का विकेन्द्रीकरण आवश्यक है।

स्थानीय शासन की आवश्यकता :-

- सरकार का कार्यभार कम होता है उनके समय व शक्ति की बचत होती है।
- स्थानीय शासन में लोगों को स्वयं अपने कार्यो के प्रबंधन का अवसर मिलता है और उनमें जिम्मेदारी की भावना आती है।
- स्थानीय स्तर पर आपसी संबंधो में सुधार आता है।
- स्थानीय निकायों द्वारा नवीन योजनाओं की अच्छी जानकारी प्राप्त होती है।
- स्थानीय समस्याओं का समाधान कम खर्च व कम समय में कर पाते है।
- स्थानीय शासन का अर्थ है स्थानीय लोगों द्वारा स्वयं अपना शासन चलाना।
- स्थानीय शासन के निर्वाचित निकाय सन् 1882 के बाद अस्तित्व में आए।
- महात्मा गांधी ने सत्ता के विकेंद्रीकरण के लिए ग्राम पंचायतों को मजबूत और स्वालम्बी बनाने पर जोर दिया था।
- स्थानीय विकास में जनता की भागीदारी के लिए सन् 1952 में सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरूआत की गई

संविधान में स्थानीय शासन को उचित महत्व नही मिला

- देश-विभाजन के कारण संविधान का झुकाव केन्द्र को मजबूत बनाने में रहा।
- नेहरू जी अति-स्थानीयता को राष्ट्र की एकता और अखण्डता के लिए खतरा मानते थे।
- स्थानीय शासन का उद्देश्य अच्छा है लेकिन ग्रामीण भारत में जाति व्यवस्था, गुटबाजी व अन्य बुराईयों के कारण इसे लागू करना ठीक नही समझा
- 73 वें और 74 वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। ये संशोधन सन् 1992 में संसद में पारित हुए तथा सन् 1993 में लागू हुआ।
- सभी पंचायती संस्थाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई है।
- स्थानीय विकास तथा कल्याण की जरूरतों से संबंधित 29 विषयों को संविधान की 11वीं अनुसूची मं दर्ज कर स्थानीय शासन के हवाले किया गया है।
- पंचायती राज संस्थाओं का त्रिस्तरीय ढाँचा अपनाया गया है।
- इन संस्थाओं के लिए अलग से राज्य चुनाव आयुक्त तथा राज्य वित्त आयोग की व्यवस्था की गयी है।

www.studiestoday.com

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

प्रश्नावली

(*i*) **एक अंकीय प्रश्नः-**

1. स्थानीय स्वशासन का अर्थ स्पष्ट कीजिए?
2. स्थानीय शासन के निर्वाचित निकायों की शुरूआत किस वायसराय के समय हुई?
3. कौन से संविधान संशोधन द्वारा स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया?
4. ग्रामीण स्वशासन के त्रिस्तरीय ढांचे के किन्ही दो स्तरों के नाम लिखिए?
5. राज्य वित्त आयोग का प्रमुख कार्य बताइए?
6. रिक्त स्थान भरियें :-
   'हर पंचायती निकाय की अवधि..... साल की होती है?'
7. पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को कितने प्रतिशत आरक्षण दिया गया है?
8. नगर निगम के दो कार्य बताइए?

(*ii*) **दो अंकीय प्रश्नः-**

1. रिक्त स्थान भरें :- 2.
   संविधान का 73 वाँ संविधान संशोधन ..... स्थानीय शासन से संबंधित है।
2. पंचायती राज व्यवस्था के कोई दो उद्देश्य लिखिए?
3. दिल्ली नगर निगम की किन्हीं दो समितियों के नाम लिखिए?
4. जिला परिषद् के दो कार्यो का उल्लेख कीजिए?
5. पंचायत समिति के दो कार्य बताइए?
6. ग्राम पंचायत की आय के दो साधनों का वर्णन कीजिए?
7. राज्य चुनाव आयुक्त पर टिप्पणी कीजिए?

(*iii*) **चार अंकीय प्रश्नः-**

1. पंचायती राज संस्थाओं का महत्व स्पष्ट कीजिए?
2. 73 वें संविधान संशोधन की विशेषताएं लिखिए?
3. 74 वें संविधान संशोधन के मुख्य प्रावधानों पर प्रकाश डालें?
4. ग्राम पंचायत के कार्य बताइए?
5. दिल्ली नगर निगम की आय के साधन लिखिए?

(*iv*) **छः अंकीय प्रश्नः-**

1. पंचायती राज के त्रिस्तरीय ढाँचे का विस्तार से वर्णन कीजिए?

www.studiestoday.com

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM

2. नगर निगम के कार्यो पर प्रकाश डालियें?
3. पंचायती राज संस्थाओं की समस्याओं पर प्रकाश डालिये?
4. 73 वें संविधान संशोधन में दिया महिला आरक्षण ग्रामीण स्तर के नेतृत्व का खाका बदलने में कितना सफल हुआ है? अपने विचार प्रकट करें?
5. नीचे स्थानीय शासन के पक्ष में कुछ तर्क दिए गए है। इन तर्को को आप अपनी पसन्द से वरीयता क्रम में सजायें और बताएं कि किसी एक तर्क की अपेक्षा दूसरे को आपने ज्यादा महत्वपूर्ण क्यों माना है? आप जानते गांव की ग्राम पंचायत का फैसला निम्नलिखित कारणों में से किस पर और कैसे आधारित था?

(क) सरकार स्थानीय समुदाय को शामिल कर अपनी परियोजना कम लागत में पूरी कर सकती है?

(ख) स्थानीय जनता द्वारा बनायी गई विकास योजना सरकारी अधिकारियों द्वारा बनायी गई विकास योजना से ज्यादा स्वीकृत होती है?

(ग) लोग अपने इलाके की जरूरत, समस्याओं और प्राथमिकताओं को जानते है। सामुदायिक भागीदारी द्वारा उन्हें विचार-विमर्श करके अपने जीवन के बारे में फैसला लेना चाहिए।

(घ) आम जनता के लिए अपने प्रदेश, अथवा राष्ट्रीय विधायिका के जन-प्रतिनिधियों से संपर्क कर पाना मुश्किल होता है।

www.studiestoday.com

Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM Downloaded from WWW.STUDIESTODAY.COM